

मन

महिमा निराली तेरे नाम की ssssss

ओ उम्बे मैया- महिमा निराली तेरे नाम की

ओ दुर्गे मैया- महिमा निराली तेरे नाम की

शेष मुकुट-गले मोतिन माला-पायल की झमकार
सिंग सवारी सुन्दर लागे-आई करन उपकार

मैया-महिमा निराली-----

जब-जब कष्ट पड़ो देवन पे-तुमने सुनी पुकार
हाथ-खड़ग खप्पर लै धाई-खूब करो संधार

मैया-महिमा निराली-----

विन्ध्याचल में-विन्ध्यवासिनी, कलकत्ता में काली
हिन्नभाल-धूमावलि माता-कीरयो तुम रखवाली

मैया-महिमा निराली-----

दया तुम्हारी जब मिल जाती-हँसता है संसार
दास "श्री बाबा श्री" शरण में तेरी-कर दो मर्क उद्धार

मैया-महिमा निराली-----